EDII

Rajasthan Patrika

March 28, 2024
Page No.02

केन्या के भारत स्थित उच्चायुक्त ने प्रदान किए प्रमाण पत्र

ईडीआईआई में रवांडा, केन्या के 43 पेशेवरों ने निखारा अपना कौशल

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

अहमदाबाद. केन्या और रवांडा के 43 पेशेवरों ने भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (ईडीआईआई)-अहमदाबाद ने अपने कौशल का निखारा। भारतीय विदेश मंत्रालय के भारतीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग (आईटीईसी) प्रभाग की ओर से प्रायोजित दो कार्यक्रमों - जेंडर रेस्पॉन्सिव गवर्नेंस इन एन्टरप्रेन्योरशिप (2 सप्ताह का प्रोग्राम) और ब्रिंगिग डिजिटल एफिशिएंसी इन कॉओपरेटिव (3-सप्ताह का प्रोग्राम) में इन पेशेवरों ने हिस्सा लिया। समापन समारोह में दोनों देशों के इन 43 पेशेवरों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय स्थित केन्या उच्चायुक्त पीटर मैना मुनीरी, ईडीआईआई के महानिदेशक डॉ. सुनील शुक्ला और संस्थान व सरकार के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

इस अवसर पर मुनीरी ने कहा कि ईडीआईआई में कार्यक्रम के बाद हम अपने संबंधित क्षेत्रों में बदलाव लाने के लिए इन प्रोग्राम से मिले परिवर्तनकारी प्रभाव का लाभ उठाएं। ईडीआईआई के महानिदेशक डॉ. शुक्ला ने कहा कि बहुत महत्वपूर्ण विषयों पर आधारित दोनों प्रोग्राम आज के समय में बहुत प्रासंगिक हैं। महिलाएं समाज के केंद्र में हैं और उनकी क्षमताओं को अर्थव्यवस्था का चालक बनने के लिए आकार दिया जा सकता है। इसी तरह डिजिटल प्रौद्योगिकी गतिशीलता विकास का एक आवश्यक इंजन बन गई है।

केन्या सरकार के 20 अधिकारियों के लिए विशेष रूप से तैयार पहला कार्यक्रम उद्यमिता में लैंगिक उत्तरदायी शासन पर केंद्रित था। दो-सप्ताह के प्रोग्राम का उद्देश्य प्रतिभागियों को लिंग-समावेशी उद्यमिता नीतियों को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक उपायों और अंतर्दृष्टि से लैस करना था।

सहकारी समितियों में डिजिटल दक्षता लाने पर केंद्रित दूसरा कार्यक्रम तीन सप्ताह तक चला जिसमें रवांडा के 23 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

तीन सप्ताह के कार्यक्रम का उद्देश्य डिजिटल हस्तक्षेप के माध्यम से सहकारी तौर-तरीकों में क्रांति लाना है। प्रतिभागियों को परिचालन को सुव्यवस्थित करने, निर्णय लेने की प्रक्रियाओं को बढ़ाने और सहकारी समितियों के सतत विकास के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म का लाभ उठाने के लिए उन्नत उपकरणों और तकनीकों से लैस किया गया था।